बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



हर दिन परमेश्वर से बातें करना!

परमेश्वर हन्ना की प्रार्थना सुनता है।



हर वर्ष वे शीलो जाते थे

हन्ना अपने पति एल्काना के साथ रामा में रहती थी। हर वर्ष पूरा परिवार परमेश्वर की आराधना और भेंट चढ़ाने के लिए शीलो जाता था।



हन्ना के मन में गहरा दुख था

उन दिनों एल्काना की दूसरी पत्नी पनिन्ना भी थी, जिसके बच्चे थे। कभी-कभी पनिन्ना हन्ना को दुखी करती थी क्योंकि हन्ना के बच्चे नहीं थे।



एल्काना ने उसे ढाढ़स दिया

एल्काना हन्ना से बहुत प्रेम करता था। जब उसने उसे रोते और भोजन न करते देखा, तो प्रेम से उससे बात की और उसे याद दिलाया कि वह उसके लिए कितनी प्रिय है।



हन्ना ने प्रार्थना करने का निश्चय किया

भोजन के बाद हन्ना उठकर पवित्रस्थान गई। याजक एली प्रवेश द्वार के पास बैठा था, जबकि वह बहुत दुखी मन से आगे आई।



मौन प्रार्थना

हन्ना रोई और मन ही मन परमेश्वर से बातें की। उसके होंठ हिल रहे थे, पर कोई उसकी बातें नहीं सुन सकता था। वह अपना पूरा मन परमेश्वर के सामने उण्डेल रही थी।



सच्ची प्रतिज्ञा

हन्ना ने परमेश्वर से एक पुत्र माँगा और प्रतिज्ञा की कि वह जीवन भर उसे परमेश्वर की सेवा के लिए समर्पित करेगी। उसकी प्रार्थना नम्र और सच्चे मन से निकली थी।



एली समझ नहीं पाया

एली ने देखा कि हन्ना के होंठ हिल रहे हैं पर आवाज़ नहीं निकल रही। पहले उसने स्थिति को गलत समझा और सोचा कि उसने मदिरा पी है, इसलिए उसने पूछा कि वह ऐसा क्यों कर रही है।



हन्ना ने अपना दुख बताया

हन्ना ने आदर से उत्तर दिया, 'मैंने मदिरा नहीं पी है। मैं बहुत दुखी स्त्री हूँ और परमेश्वर के सामने अपना मन उण्डेल रही थी।'



शान्ति से जा

तब एली समझ गया और बोला, ‘शान्ति से जा। इस्राएल का परमेश्वर तेरी वह प्रार्थना पूरी करे जो तूने उससे माँगी है।’ हन्ना ने इन शब्दों को आशा से स्वीकार किया।



हन्ना आशा के साथ लौटी

हन्ना अपने परिवार के पास लौटी, उसने भोजन किया और उसके चेहरे की उदासी चली गई। उसने अपनी चिंता परमेश्वर को सौंप दी थी और अब उस पर भरोसा कर रही थी।



परमेश्वर ने हन्ना को स्मरण किया

अगली सुबह उन्होंने परमेश्वर की आराधना की और रामा लौट गए। कुछ समय बाद परमेश्वर ने हन्ना को स्मरण किया और वह जान गई कि उसके एक पुत्र होगा।



शमूएल का जन्म हुआ

समय पूरा होने पर हन्ना ने एक पुत्र को जन्म दिया। उसने उसका नाम शमूएल रखा, क्योंकि उसने कहा, ‘मैंने उसे यहोवा से माँगा था।’



हम परमेश्वर से बातें कर सकते हैं

हन्ना ने सीखा कि वह अपने दुख, आशाएँ और इच्छाएँ परमेश्वर से कह सकती है। हम भी हर दिन उससे बात कर सकते हैं और भरोसा रख सकते हैं कि वह हमेशा हमारी सुनता है।